www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप...
3 पुत्रदा एकादशी पर श्री खाटू श्याम मंदिर में उमड़ा श्रद्धा...
4 नपा राजौंद द्वारा वार्ड नं. 6 में नागरिकों को...

वर्ष: 9 | अंक: 283 | दिल्ली, बुधवार, 6 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में अचानक आई बाढ़ में 4 लोगों की मौत

उत्तराखंड (एजेन्सी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को अचानक आई बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोगों के लापता होने की आशंका है। हालांकि, ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। उत्तरकाशी के ज़िला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने इसकी पुष्टि की। यह घटना तब हुई जब एक भीषण बादल फटने से होटल और होमस्टे समेत दर्जनों इमारतें बह गईं। घटनास्थल उत्तरकाशी ज़िले के हर्षिल के पास धराली गाँव में है। लगातार हो रही भारी बारिश पहाड़ी इलाकों में तबाही का सबब बन गई। ज़िले के हर्षिल क्षेत्र के धरलोई गाँव में बादल फटने की घटना हुई, जिससे खीर गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे भारी मलबा आ गया और धराली–खीर गंगा क्षेत्र में व्यापक नुकसान हुआ। बताया जा रहा है कि इस हादसे के समय धराली में स्थानीय और यात्रियों को मिलाकर 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे। लगभग 20 लोगों को बचा लिया गया है और घायलों का इलाज चल रहा है। इसके कुछ समय बाद, भूस्खलन और बादल फटने की घटना ने सेना के शिविर और बचाव दल के एक हिस्से को भी प्रभावित किया। केंद्रीय और राज्य आपदा राहत बलों और राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने मदद चाहने वाले लोगों से 01374222126, 222722, 9456556431 डायल करने का आग्रह किया है। हरिद्वार स्थित जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र ने प्रभावित लोगों से 01374-222722, 7310913129, या 7500737269 डायल करने का आग्रह किया है और देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से 0135-2710334, 0135-2710335, 8218867005, या 9058441404 पर संपर्क किया जा सकता है।

अन्याय के खिलाफ मेरे पिता का संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा: हेमंत सोरेन

झारखंड (एजेन्सी)। दिशोम गुरु के नाम से जाने जाने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन के निधन के एक दिन बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अन्याय के खिलाफ उनके पिता का संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने पिता के निधन के बाद जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। झारखंड के गठन में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन ने सोमवार को अंतिम सांस ली। वह 81 वर्ष के थे। हेमंत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं। मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया बल्कि झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया। उन्होंने कहा कि उनके पिता के संघर्ष को किसी किताब में नहीं समेटा जा सकता। सोरेन ने झारखंड को झुकने नहीं देने का वादा किया और शोषितों एवं गरीबों के लिए काम करके अपने पिता के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए लिखा, आपने जो सपना देखा, अब वह मेरा वादा है। मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा। आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा। आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा। हेमंत ने कहा, मैं उन्हें सिर्फ बाबा नहीं कहता था। वह मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे और उस जंगल जैसी छाया थे जिसने हजारों-लाखों झारखंडवासियों को धूप और अन्याय से बचाया। उन्होंने अपने पिता की बहुत साधारण शुरूआत का जिक्र करते हुए कहा, (मेरे बाबा) नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी। बचपन में ही उन्होंने (शिबू सोरेन ने) अपने पिता को खो दिया। जमींदारी के शोषण ने उनके भीतर एक ऐसी आग पैदा की जिसने उन्हें पूरी जिंदगी के लिए संघर्षशील बना दिया।

युवा स्वयं कर रहे हैं सफाई, स्वच्छता एक आंदोलन बन गया है: सीएम

'स्वच्छता चैलेंज' जल्द शुरू होगा, सेलिब्रेटीज को भी जोड़ा जाएगा: रेखा गुप्ता

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वच्छ दिल्ली की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए तिमारपुर विधानसभा की संजय बस्ती, मॉल रोड (बंसल स्वीट्स के पास) में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के अंतर्गत चल रहे महीने भर के सफाई अभियान का नेतृत्व किया और खुद झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया।

एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में आम जन की भागीदारी को और प्रबल बनाने के लिए स्वच्छता चैलेंज जल्द शुरू किया जाएगा। इस अभियान में सेलिब्रेटीज को भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने तिमारपुर क्षेत्र में स्थित जेजे कॉलोनी और आसपास की गलियों का निरीक्षण करते हुए पाया कि सफाई व्यवस्था को लेकर अब जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज मैंने एक युवा को स्वेच्छा से बस स्टैंड की सफाई करते देखा। यह संकेत है कि अब दिल्ली में स्वच्छता एक आंदोलन बन चुका है। यही नागरिक भागीदारी इस अभियान की आत्मा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि डीडीए की खाली पड़ी जमीनों को भी इस अभियान में शामिल किया गया है और उनकी तत्काल सफाई के निर्देश दिए गए

हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शासकीय एजेंसियों को मिलकर एकजुटता से कार्य करना होगा, तभी दिल्ली को वास्तव में कूड़े से मुक्त किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान को केवल सफाई तक सीमित न समझें, बल्कि इसे एक व्यवहार परिवर्तन की पहल मानें। उन्होंने कहा यह अभियान दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा हमारा लक्ष्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों की सोच को बदलना है। दिल्ली सरकार राजधानी को एक स्वच्छ, आधुनिक और नागरिक-केंद्रित राजधानी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस अभियान से राजधानी दिल्ली में एक नई शुरूआत हो चुकी है। इस जन-जागरण की पहल में मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय विधायक श्री सूर्य प्रकाश खत्री, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, एमसीडी आयुक्त, अधिकारीगण, सफाईकर्मी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी शामिल हुए।

एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में आम जन की भागीदारी को और प्रबल बनाने के लिए स्वच्छता चैलेंज जल्द शुरू किया जाएगा। इस चैलेंज के तहत देश की आजादी के 78 वर्षों की प्रतीकात्मकता को ध्यान में रखते हुए, प्रारंभ में 78 नागरिकों को नामित किया जाएगा। प्रत्येक नामित व्यक्ति आगे पांच और लोगों को चुनकर अभियान से जोड़ेगा, जिससे राजधानी में स्वच्छता का एक सशक्त और विस्तृत नेटवर्क तैयार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रख्यात सेलिब्रेटीज को भी जोड़ा जाएगा। इनकी भागीदारी से जागरूकता को नया आयाम मिलेगा और अभियान में व्यापक जन-भागीदारी सुनिश्चित होगी।

सालों से बंद 'यू स्पेशल बस सेवा' फिर होगी शुरू: सीएम रेखा गुप्ता

सीएम की छात्रों से अपील: स्कूलों के बच्चों का मार्गदर्शन कर उनका भविष्य संवारें

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सोशल सेंटर स्कूल (मौरिस नगर) के नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए राजधानी के छात्रों को एक बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वर्षों से बंद पड़ी यू स्पेशल बस सेवाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। ये बसें अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी, जिनमें एयर कंडीशनिंग, एलईडी लाइटिंग और म्यूज़िक सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दिल्ली विश्वविद्यालय को कुछ स्कूलों को गोद लेना चाहिए, ताकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र नियमित रूप से इन विद्यालयों में जाकर स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करें।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कॉलेज आने-जाने में विद्यार्थियों को जो कठिनाइयाँ होती हैं, उसे देखते हुए हम यू स्पेशल बस सेवा दोबारा से शुरू करने जा रहे हैं ताकि विद्यार्थियों को सुलभ, सुरक्षित और सम्मानजनक परिवहन सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने सोशल सेंटर स्कूल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि 1947 में सामाजिक सेवा के उद्देश्य से

शुरू हुआ यह स्कूल अब एक भव्य चार मंज़िला इमारत और 21 आधुनिक कक्षाओं वाले संस्थान में बदल चुका है। मुख्यमंत्री ने इस स्कूल के देखरक व नवीनीकरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सराहना की। मुख्यमंत्री ने मौके पर विद्यालय को कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई के लिए मान्यता देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दिल्ली विश्वविद्यालय को कुछ स्कूलों को गोद लेना चाहिए, ताकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र नियमित रूप से इन विद्यालयों में जाकर स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करें। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से भी अनुरोध किया कि वे वंचित और जरूरतमंद बच्चों को बड़े भाई-बहन की तरह सहयोग और शिक्षा प्रदान करें, ताकि वे अपने जीवन की दिशा तय कर सकें और मुख्यधारा से जुड़ सकें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी एक अहम सामाजिक विडंबना की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा आज अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में भेजने को उत्सुक हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों के नाम पर पीछे भी हटते हैं। इसका कारण है सरकारी स्कूलों की छवि और गुणवत्ता को लेकर गलत धारणा बनी हुई है। लेकिन अब यह स्थिति बदलेगी। हमारी सरकार दिल्ली के सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाएगी, इतना बेहतर कि लोग खुद गर्व से अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिल कराएंगे। इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, महापौर श्री राजा इकबाल सिंह, स्थानीय विधायक, विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सुधारों के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता और छात्रों के भविष्य को लेकर उनकी संवेदनशीलता दिल्ली को श्रेष्ठ शिक्षा, श्रेष्ठ भविष्य की दिशा में मजबूती से आगे ले जा रही है।

दिल्ली में परिवहन बसों की शुरूआत वर्ष 1948 से शुरू हुई थी। बाद में वर्ष 1971 में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के तहत इन बसों को चलाने का निर्णय लिया गया। इसी दौरान यू-स्पेशल बसों को चलाने का निर्णय लिया गया। ये बसें दिल्ली के कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए ही थी। ये दिल्ली के विभिन्न व खास इलाकों से चलती थी और मशहूर कॉलेजों तक जाती थी। इनमें सिर्फ कॉलेज विद्यार्थी ही बैठते थे। दोपहर के बाद ये बसें फिर से विभिन्न कॉलेजों, नॉर्थ कैंपस व साउथ कैंपस से रवाना होती थीं। उस दौरान छात्रों के लिए ये बसें बेहद सुविधाजनक मानी जाती थीं। नब्बे के दशक में दिल्ली में प्राइवेट रेड लाइन बसें और बाद में ब्लू लाइन बसें शुरू हुईं। इसके बाद डीटीसी बसें लगातार कम होती गईं। परिणाम स्वरूप यू स्पेशल बसें भी बंद हो गईं।

एससी बस्तियों का होगा कायाकल्प: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं एससी/एसटी कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बवाना विधानसभा क्षेत्र के कटेवरा गांव में एससी बस्तियों में गलियों, सड़कों और नालियों के पूर्ण हुए निर्माण कार्यों को आमजन को समर्पित किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि एससी बस्तियों में सभी बुनियादी सुविधाएँ विकसित कर उनका कायाकल्प किया जाएगा।

एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने कहा कि एससी बस्तियों को बुनियादी सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कटेवरा गांव की एससी बस्तियों में लंबे समय से बुनियादी ढांचे की कमी थी, जिसे दूर करने पर लगातार काम हो रहा है। उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ गांव में चल रहे अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया और निमार्णाधीन चौपाल का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये।

एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने ग्रामीणों के साथ संवाद में दिल्ली सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी एससी बस्तियों में सड़कें, पेयजल, बिजली, पार्क, बेहतर जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित हों। दिल्ली सरकार दिल्ली के अंतिम छोर तक विकास पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि एससी छात्रों की प्री मैट्रिक/ पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, मेरिट छात्रवृति सभी पात्र छात्रों को समय पर देने के निर्देश हैं। पॉलिटेक्निक, आईटीआई और स्किल डेवलपमेंट का कोर्स करने वाले छात्रों को प्रतिमाह एक हजार रुपये देने की योजना है। साथ ही विदेश में पढ़ने जाने वाले एससी छात्रों की आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने की भी योजना है।

दिल्ली में एससी/एसटी छात्रों के लिए लम्बे समय से बंद पड़े हॉस्टल भी शुरू किये जाएंगे। साथ ही हर जिले में एक हॉस्टल शुरू करने की योजना है। गरीब एवं वंचित वर्ग को वित्तीय सहायता देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए बने डीएसएफडीसी का पुनर्गठन किया जा रहा है।

राजस्थान कृषि महाविद्यालय में कृषक संवाद कार्यक्रम

कृषि बढ़ती है, तभी देश आगे बढ़ता है-राज्यपाल बागडे

एसबी संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कृषि बढ़ती है, तभी देश आगे बढ़ता है। खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता से विदेशी मुद्रा बचती है और कृषि आधारित उद्योग धंधे भी तेजी से पनपते हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र के विकास में आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजते हुए तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को उदयपुर में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से राजस्थान कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित प्रगतिशील किसान संवाद कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बागडे ने कहा कि आजादी के समय देश की आबादी 36 करोड़ थी। इनके लिए पर्याप्त अन्न नहीं था। विदेशों से खाद्यान्न मंगवाना पड़ता था। तब देश के अन्नदाताओं ने मेहनत कर लोगों का पेट भरा। वर्तमान में आबादी 147 करोड़ हो चुकी है। कृषि भूमि भी कम हुई है लेकिन देश में कृषि क्षेत्र ने तेजी से विकास

किया। अन्नदाताओं ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उत्पादन बढ़ाया। इसी के परिणामस्वरूप देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। आने वाले समय में चुनौतियां बढ़ेंगी। इसलिए कृषि क्षेत्र में नवीन शोध और उन्नत तकनीक पर निरंतर काम करने की आवश्यकता है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि भारत की पुरातन ज्ञान संपदा अतुलनीय है। हर विषय पर यहां बहुत पहले ही शोध कार्य हो चुके हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र में चक्रपाणि मिश्र की पुस्तक 'विश्व वल्लभ' का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने खेत, सिंचाई की तकनीकों पर सदियों पहले ही लिख दिया है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ अंक लाना नहीं है। शिक्षा का सीधा संबंध बौद्धिक क्षमता विकास से है। सच्ची शिक्षा वहीं है, जो विद्यार्थी को हर चुनौती का सामना करने के योग्य और समाधान करने में सक्षम बनाए। बागडे ने स्वामी विवेकानंद, झांकी की रानी और वीरबाला कालीबाई का उदाहरण देते हुए कहा कि क्षमता, सामर्थ्य और भाव आयु के मोहताज नहीं होते। इन विभूतियों ने अल्प वय में जो भाव दिखाए, वह वंदनीय हैं। बागडे ने कहा कि राजस्थान में गर्मी कम करनी है और बारिश बढ़ानी है तो पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने पानी बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहेगा तो खेती स्वतः ही बढेगी। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया।

राज्यपाल बागडे ने राजस्थान कृषि महाविद्यालय परिसर में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया, साथ ही तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से संचालित महाराणा प्रताप शोध पीठ की गतिविधियों को दशार्ती प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, साथ ही महाविद्यालय के संस्थापक ए. राठौड़ की प्रतिमा पर भी पुष्पाजंलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बागडे ने मोटे अनाज की नवीनतम किस्मों सहित अन्य उपयोग जानकारियों को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित की गई कॉफी टेबल बुक 'दी मिलेट्स स्टोरी' का विमोचन किया।

हरियाणा, पंजाब के मुख्यमंत्रियों के बीच पिछली बैठक से एक कदम आगे बढकर सकारात्मक माहौल में हुई चर्चा-नायब सिंह सैनी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल की अध्यक्षता में श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली में हरियाणा एवं पंजाब के मुख्यमंत्रियों के साथ पानी के मुद्दे को लेकर सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह काफी लम्बे समय से चला आ रहा विषय है। इसको लेकर 9 जुलाई को भी बैठक आयोजित हुई थी जिसमें काफी सकारात्मक चर्चा हुई। इस बार भी एक कदम आगे बढ़कर

13 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में पॉजिटिव तरीके से दिया जाएगा जवाब-मुख्यमंत्री

सकारात्मक वातावरण में चर्चा हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में पॉजिटिव तरीके से जवाब दिया जाएगा। हमें पूरा विश्वास है कि इस विषय का बेहतर हल निकलेगा। एक अन्य प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इण्डस ट्रीटी सैकेण्डरी विषय है जिसमें राजस्थान को भी पानी मिलेगा। बैठक में केन्द्रीय सचिव देबाश्री मुखर्जी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल सहित सिंचाई विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सच है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते है, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उघड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पदार्फाश हो गया। भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही इस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है। न्यायालय ने मालेगांव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि जिसको इसमें आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, जब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड्यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी है। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को खुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है। मालेगांव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की। अब सवाल यह उठता है कि रामराज्य की संकल्पना को जमीन पर उतारने का सपना देखने वाले महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने हिन्दू आतंकवाद का प्रपंच रचा। इसका पहला कारण तो यही समझ में आता है कि यह सब केवल एक विशेष वर्ग को खुश करने का प्रयास मात्र ही था। कांग्रेस की ऐसी राजनीति करने वाले एक प्रकार से कांग्रेस को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हमें यह भी याद होगा कि एक बार कांग्रेस की सरकार के समय भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। उस समय हिन्दू समाज की जाग्रति के समक्ष कांग्रेस को झुकना पड़ा और सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास पर पूरी तरह से पानी फिर गया। मालेगांव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना से विचार रखते हैं। उन्हें यह लगता ही नहीं है कि देश में अब कांग्रेस की सरकार नहीं है और देश में राजनीतिक परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस को यह आत्म मंथन करना चाहिए कि देश की जनता क्या चाहती है। क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया है। भारत का लोकतंत्र यही कहता है कि देश में जनता का शासन है। जनता का शासन मतलब किसी दल की सरकार नहीं, वह जनता की सरकार है, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसको राजनीतिक दल की सरकार मानकर व्यवहार करते हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि जब जनता की सरकार है, तब सरकार का विरोध करने का अर्थ जनता का ही विरोध है। आज जनता इतनी समझदार हो चुकी है कि उसे पल पल की जानकारी है, इसलिए कुछ समय के भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन भ्रम से जब परदा उठता है तो इसके पीछे एक षड्यंत्र का खेल दिखाई देता है। मालेगांव मामले में कुछ बयानों को आधार बनाया जाए तो यही कहा जा सकता है कि इसमें और भी प्रभावी व्यक्तियों को फसाने की तैयारी भी हो रही थी, इसकी भूमिका भी बन चुकी थी, लेकिन कांग्रेस का यह सपना इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि जिनको आरोपी बनाया गया उन्होंने प्रताड़ना सहने के बाद भी उनके मन मुताबिक बयान नहीं दिए।

जयंती

के. एम. चांडी

जन्म-6 अगस्त, 1921, कोट्टायम ज़िला, केरल; मृत्यु-7 सितम्बर, 1998) स्वतंत्रता सेनानी तथा गुजरात और मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल थे। उन्होंने राजनीति में 17 वर्ष की उम्र से ही हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उस समय वे 12वीं कक्षा के छात्र थे। सन 1946 में जब के. एम. चांडी मीनाचिल तालुक कांग्रेस कमेटी के सचिव थे, तब उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया, पर वे स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेते ही रहे। के. एम. चांडी ने पलई में 'सेंट थामस कॉलेज' की स्थापना में योगदान दिया था। इस कॉलेज में उन्होंने 1950 में अध्यापन कार्य भी किया। 15 मई, 1982 को के. एम. चांडी पांडिचेरी के उप-राज्यपाल बने। वे 6 अगस्त, 1983 को गुजरात के राज्यपाल बनाये गए। बाद में मध्य प्रदेश के राज्यपाल का पदभार उन्होंने 19 मई, 1984 को ग्रहण किया।

पुण्यतिथि

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

जन्म-10 नवम्बर, 1848, कलकत्ता; मृत्यु-6 अगस्त, 1925, बैरकपुर) प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी थे, जो कांग्रेस के दो बार अध्यक्ष चुने गए। उन्हें 1905 का 'बंगाल का निर्माता' भी जाता है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना की, जो प्रारंभिक दौर के भारतीय राजनीतिक संगठनों में से एक था और बाद में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बन गए।

कल मिलेंगे

राजू की पत्नी सोते हुए सपना देख रही थी, अचानक से उठ कर चिल्लाई
पत्नी-स्वामी अभी सपने में आप मेरे लिए करोड़ों का हार लाए.
राजू-अच्छा...वापस सो जाओ, इस बार पहनकर उठना.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा

-नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही रणनीतिक स्वायत्तता है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है-जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी-1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी-जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है और तब शायद मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि अनुचित और अविवेकपूर्ण भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाजी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की नव-उपनिवेशवादी नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है। बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसकी असली परीक्षा ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर मची हलचल

नब्बे के दशक के उत्तरार्ध से तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के साथ रहे वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने कहा, "दीदी कहती हैं कि लोकसभा सदस्य लड़ रहे हैं और झगड़ा कर रहे हैं...क्या मुझे उन लोगों को बर्दाश्त करना चाहिए जो मुझे अपशब्द कहते हैं? मैंने पार्टी को सूचित किया, लेकिन मेरा अपमान करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, वे मुझे ही दोषी ठहरा रहे हैं। ममता बनर्जी जिस तरीके से चाहें पार्टी को चलायें

-नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने वरिष्ठ नेता और बांकुड़ा से सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी के मुख्य सचेतक पद से हटा दिया है साथ ही लोकसभा में टीएमसी संसदीय दल के नेता पद से सुदीप बंधोपाध्याय को हटा कर अभिषेक बनर्जी को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। उल्लेखनीय है कि सुदीप बंधोपाध्याय लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे हैं इसलिए उनकी जगह तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लाया गया है। लेकिन कल्याण बनर्जी को अपना पद जिन परिस्थितियों में छोड़ना पड़ा है उसे महज संगठनात्मक फेरबदल नहीं माना जा सकता। दरअसल, यह बदलाव तृणमूल के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन, आंतरिक खींचतान और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की रणनीति से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है।

जहां तक तृणमूल कांग्रेस में अभिषेक बनर्जी के लगातार बढ़ते ग्राफ की बात है तो आपको बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे पहले से ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं और अब संसद में भी उन्हें नेतृत्व सौंपने से संकेत साफ है कि टीएमसी नेतृत्व का उत्तराधिकार धीरे-धीरे उनके हाथों में केंद्रित हो रहा है। संसदीय दल का नेता बनाना केवल प्रतीकात्मक पद नहीं है, यह निर्णय केंद्रीय राजनीति में पार्टी की आवाज किसके माध्यम से पहुंचेगी, इसका स्पष्ट संकेत है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न देशों में देश का पक्ष रखने के लिए भेजा था तब सरकार ने तृणमूल कांग्रेस की ओर से सांसद युसूफ पठान का नाम तय किया था लेकिन ममता बनर्जी ने इस पर आपत्ति जताते हुए उनकी जगह अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल करवाया था और संदेश दिया था कि देश के स्तर पर हो या दुनिया के स्तर पर, तृणमूल का भावी चेहरा अभिषेक बनर्जी ही होंगे।

इसके अलावा, अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल की कमान सौंपना एक ओर तृणमूल की रणनीतिक चुस्ती और नेतृत्व सशक्तीकरण को दर्शाता है, तो दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या पार्टी के अंदर लोकतांत्रिक संवाद की जगह केंद्रीकरण ने ले ली है? देखा जाये तो यह बदलाव एक दोधारी तलवार की तरह है-जो पार्टी को अनुशासित भी कर सकता है और आंतरिक असंतोष को हवा भी दे सकता है। आगामी महीनों में इस बदलाव का असली असर तब दिखेगा जब टीएमसी लोकसभा में अपनी रणनीति को नया आकार देगी और विपक्षी दलों के साथ अपने रिश्ते फिर से परिभाषित करेगी।

उधर, लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देने वाले कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया है कि सांसदों के बीच समन्वय की कमी के लिए उन्हें गलत तरीके से दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि कुछ सांसद संसद में बमुश्किल ही आते हैं। कल्याण बनर्जी ने यह कदम पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की अध्यक्षता में तृणमूल सांसदों की डिजिटल तरीके से आयोजित एक बैठक के कुछ घंटे बाद उठाया। बैठक के दौरान ममता बनर्जी ने पार्टी के संसदीय दल में खराब समन्वय पर अप्रसन्नता जतायी थी। कल्याण बनर्जी ने एक समाचार चैनल से कहा, मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक का पद छोड़ दिया है, क्योंकि 'दीदी' (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) ने डिजिटल बैठक के दौरान कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है। इसलिए दोष मुझ पर है। इसलिए, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है। भावुक होते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि वह एक साथी सांसद द्वारा उनके "अपमान" पर पार्टी की चुप्पी से बहुत आहत हैं। उनका इशारा परोक्ष तौर पर महुआ मोइत्रा की ओर था।

नब्बे के दशक के उत्तरार्ध से तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के साथ रहे वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने कहा, "दीदी कहती हैं कि लोकसभा सदस्य लड़ रहे हैं और झगड़ा कर रहे हैं...क्या मुझे उन लोगों को बर्दाश्त करना चाहिए जो मुझे अपशब्द कहते हैं? मैंने पार्टी को सूचित किया, लेकिन मेरा अपमान करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, वे मुझे ही दोषी ठहरा रहे हैं। ममता बनर्जी जिस तरीके से चाहें पार्टी को चलायें। उन्होंने पार्टी के आंतरिक मामलों पर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा, "मैं इतना क्षुब्ध हूं कि मैं राजनीति छोड़ने के बारे में भी सोच रहा हूं।

हम आपको यह भी बता दें कि एक ओर कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है, खासकर कृष्णानगर की सांसद महुआ मोइत्रा के साथ महीनों तक चले तनाव और उससे पहले पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद के साथ तनाव के बीच। कल्याण बनर्जी ने अपने इस्तीफे से ठीक पहले एक्स पर एक लंबी पोस्ट में महुआ मोइत्रा पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पोस्ट में कहा था, मैंने महुआ मोइत्रा द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक पॉडकास्ट में की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। उनके शब्दों का चयन, जिसमें एक साथी सांसद की तुलना 'सुअर' से करने जैसी अमानवीय भाषा का प्रयोग शामिल है, न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सभ्य संवाद के बुनियादी मानदंडों की उपेक्षा को भी दर्शाता है। उन्होंने लिखा, किसी पुरुष सहकर्मी को 'यौन रूप से कुंठित' कहना कोई साहस नहीं है- यह सरासर दुर्व्यवहार है। अगर ऐसी भाषा किसी महिला के लिए इस्तेमाल की जाती, तो पूरे देश में आक्रोश फैल जाता और यह सही भी है। लेकिन जब कोई पुरुष निशाना होता है, तो इसे या तो नजरअंदाज कर दिया जाता है या फिर सराहा जाता है। एक बात साफ हैः दुर्व्यवहार तो दुर्व्यवहार ही होता है- चाहे वह किसी के साथ हो।

कल्याण बनर्जी ने कहा था, अगर मोइत्रा सोचती हैं कि अपशब्द कहने से उनकी अपनी नाकामियां छिप जाएंगी या उनके रिकॉर्ड पर गंभीर सवालों से ध्यान हट जाएगा, तो वह खुद को धोखा दे रही हैं। जो लोग जवाब देने के बजाय अपशब्दों पर भरोसा करते हैं, वे लोकतंत्र के चैंपियन नहीं हैं- वे इसकी शर्मिंदगी हैं और इस देश के लोग उनकी इस हरकत को समझ सकते हैं। हम आपको बता दें कि श्रीरामपुर से चार बार के सांसद कल्याण बनर्जी एक वरिष्ठ अधिवक्ता भी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बात से अपमानित महसूस कर रहे हैं कि अनुशासनहीनता और कम उपस्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की बजाय पार्टी उन्हें ही दोषी ठहरा रही है। कल्याण बनर्जी ने कहा, ममता बनर्जी ने जिन्हें सांसद बनाया है, वे लोकसभा आते भी नहीं हैं। दक्षिण कोलकाता, बैरकपुर, बांकुड़ा, उत्तर कोलकाता के तृणमूल सांसदों में से शायद ही कोई संसद आता है। मैं क्या कर सकता हूं? मेरा क्या कसूर है? मुझे ही हर चीज के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। कल्याण बनर्जी ने साथ ही एक बांग्ला टीवी चैनल से कहा, "अगर ज्यादातर सांसद संसद से नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं, तो मैं क्या करूँगा? क्या ममता बनर्जी जानती हैं कि संसद का दैनिक कामकाज कैसे चल रहा है? अगर पार्टी कदम नहीं उठाए, तो मैं क्या करता? मैंने सबसे ज्यादा काम किया, लेकिन मैं ऑक्सफोर्ड या कैम्ब्रिज का स्कॉलर नहीं हूँ। मैं महंगी साड़ियां नहीं पहनता। जो लोग ममता बनर्जी की आलोचना करते हैं, उन्हें इनाम मिलता है।

बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी ने बैठक में किसी का नाम लिये बिना स्पष्ट किया कि सांसदों के बीच गुटबाजी अस्वीकार्य है और कहा कि पार्टी को संसद में एकता प्रदर्शित करनी चाहिए। इस बीच, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि ममता बनर्जी विशेष रूप से लोकसभा में एकजुटता की कमी से परेशान थीं। तृणमूल के एक नेता के अनुसार ममता बनर्जी ने बैठक में कहा, राज्यसभा का काम अच्छा चल रहा है, लेकिन लोकसभा सांसदों का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा है। सुदीप बंदोपाध्याय अस्वस्थ हैं और सौगत रॉय भी। वरिष्ठ नेताओं की अनुपस्थिति में समन्वय चरमरा गया है।

हम आपको बता दें कि कल्याण बनर्जी पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं में गिने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से वह अभिषेक बनर्जी की नई पीढ़ी की नेतृत्व शैली से असहज दिखते रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण महुआ मोइत्रा प्रकरण है, जहां कल्याण बनर्जी और मोइत्रा के बीच तीखा सार्वजनिक विवाद देखने को मिला था। उस समय अभिषेक ने महुआ मोइत्रा के पक्ष में संकेत दिया था, जिससे कल्याण बनर्जी की स्थिति कमजोर हुई।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

किर्गिजस्तान में जोरदार भूकंप आया, रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता रही

(एजेन्सी)।

किर्गिजस्तान के जलाल-अबाद ओब्लास्ट के जलाल-अबाद के पास शाम को 5.5 तीव्रता का एक बहुत ही उथला भूकंप आया। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) के अनुसार, यह भूकंप मंगलवार, 5 अगस्त, 2025 को स्थानीय समयानुसार शाम 7:44 बजे 7 किलोमीटर की बहुत ही उथली गहराई पर आया। उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा तीव्रता से महसूस किए जाते हैं क्योंकि वे सतह के ज्यादा करीब होते हैं। भूकंप की सटीक तीव्रता, केंद्र और गहराई अगले कुछ घंटों या मिनटों में संशोधित की जा सकती है क्योंकि भूकंपविज्ञानी आँकड़ों की समीक्षा और अपनी गणनाओं को परिष्कृत करेंगे, या अन्य एजेंसियाँ अपनी रिपोर्ट जारी करेंगी। प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के आधार पर, भूकंप का झटका संभवतः उपरिकेंद्र क्षेत्र में कई लोगों ने महसूस किया होगा। अलमारियों से गिरती वस्तुओं, टूटी खिड़कियों आदि के अलावा, इससे कोई खास नुकसान नहीं हुआ होगा। भूकंप के केंद्र से 26 किमी दूर स्थित मैसी (जनसंख्या 19,800), 30 किमी दूर स्थित बाजार-कोर्गोन (जनसंख्या 41,000), 31 किमी दूर स्थित कोचकोर-अता (जनसंख्या 17,200), 35 किमी दूर स्थित ताश-कुमिर (जनसंख्या 23,600), 50 किमी दूर स्थित सुजाक (जनसंख्या 30,500), 51 किमी दूर स्थित जलाल-अबाद (जनसंख्या 123,200) और 70 किमी दूर स्थित टोकतोगुल (जनसंख्या 20,600) में भूकंप हल्के झटकों के रूप में महसूस किया जाना चाहिए था।

भूकंप के केंद्र से 86 किलोमीटर दूर स्थित ओश (जनसंख्या 322,200) में हल्के झटके महसूस किए गए होंगे। अगर भूकंप की तीव्रता और गहराई में कोई बदलाव होता है, तो VolcanoDiscovery अपने आप अपडेट कर देगा और भूकंप से जुड़ी कोई और महत्वपूर्ण जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। अगर आप उस क्षेत्र में हैं, तो कृपया हमें अपनी रिपोर्टिंग प्रणाली के जरिए, ऑनलाइन या हमारे मोबाइल ऐप के जरिए, अपना अनुभव भेजें। इससे हमें दुनिया भर में इस भूकंप के बारे में और जानने के इच्छुक लोगों को पहले से ज्यादा अपडेट देने में मदद मिलेगी।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन

(एजेन्सी)।

24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था।

इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी।

अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

ट्रंप की चेतावनी, रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगेगा ज्यादा शुल्क

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत रूस से भारी मात्रा में तेल सिर्फ खरीद ही नहीं रहा है, बल्कि उस तेल के बड़े हिस्से को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा भी कमा रहा है।

इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, उसे (भारत को) इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं। ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के साथ ही रूस से तेल एवं गैस खरीदने पर जुमार्ना लगाने की भी घोषणा की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर जुमार्ना लगाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में आई अधिसूचना में इसका कोई उल्लेख नहीं किया गया था। पिछले सप्ताह ट्रंप ने भारत और रूस के रिश्तों को लेकर तीखा हमला भी बोला था और कहा था कि दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को साथ में गर्त में ले जा सकते हैं।

भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा और संवर्धन के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा और वह शुल्क के प्रभावों की जांच कर रहा है। ट्रंप की इन घोषणाओं को भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में अमेरिका की मांगों के पक्ष में दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका अपने कृषि, डेयरी और आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) खाद्य पदार्थों पर भारत से शुल्क में रियायत मांग रहा है।

भारत इन क्षेत्रों में कोई भी रियायत देने के खिलाफ है, ये लाखों छोटे और हाशिए पर पड़े किसानों की आजीविका से जुड़े हैं। भारत ने कहा है कि वह इन शुल्कों के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है और अभी भी एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर पहुंचने की उम्मीद कर रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आ रहा है। वार्ता 29 अगस्त तक चलेगी।

बेस्ट फ्रेंड का घर तोड़ हंसिका मोटवानी ने रचाई थी शादी, दो साल में ही आ गई तलाक की नौबत?

(एजेन्सी)। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी और उनके पति सोहेल कथूरिया की प्रेम कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं थी। हंसिका ने अपनी ही बेस्ट फ्रेंड रिद्धिमा सिद्दीकी का घर तोड़कर उनके पति सोहेल से शादी की थी, और अब शादी के दो साल बाद ही उनके तलाक की खबरें सुर्खियों में हैं। यह खबर तब सामने आई जब हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सोहेल के साथ शादी की तस्वीरें और वीडियो हटा दिए। हंसिका और सोहेल की शादी शुरू से ही विवादों में थी। सोहेल की पहली पत्नी, रिद्धिमा सिद्दीकी ने दावा किया था कि हंसिका ने उनका घर तोड़ा था। रिद्धिमा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि हंसिका उनकी और सोहेल की शादी में शामिल हुई थीं और उस समय वे उनकी सबसे अच्छी दोस्त थीं। रिद्धिमा ने यह भी कहा था कि हंसिका ने सोहेल के साथ शादी करने के लिए उनका घर तोड़ दिया। इन विवादों के बावजूद, हंसिका और सोहेल ने दिसंबर 2022 में जयपुर के मुंडोता फोर्ट में ग्रैंड वेडिंग की थी। शादी के दो साल बाद ही हंसिका और सोहेल के बीच अनबन की खबरें आने लगी थीं। हाल ही में हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सोहेल के साथ की अपनी शादी की सभी तस्वीरें और वीडियो हटा दिए, जिससे तलाक की अटकलें तेज हो गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों काफी समय से अलग-अलग रह रहे हैं। हंसिका अपनी मां के साथ हैं, जबकि सोहेल अपने माता-पिता के घर लौट गए हैं। इससे पहले जुलाई में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सोहेल कथूरिया ने तलाक की खबरों को 'गलत' बताया था। हालांकि, उन्होंने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। वहीं, हंसिका ने भी इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। इन सबके बीच, सोहेल कथूरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को भी प्राइवेट कर दिया है, जिससे इन खबरों को और हवा मिल रही है।

राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा

(एजेन्सी)। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा। जहां वह गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ये दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिला है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि, हां राष्ट्रमंडल खेल की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी। मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा कि, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के आखिर में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

सड़क दुर्घटना में आरक्षी टीपू सुल्तान की दर्दनाक मौत

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। वर्ष 2016 में आरक्षी पद पर भर्ती एवं वर्तमान में रिजर्व पुलिस लाइन, बदायूँ में तैनात स्व0 टीपू सुल्तान के दुखदः निधन पर बदायूँ पुलिस परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

स्व. टीपू सुल्तान की सड़क दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूँ द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि।

थाना इस्लामनगर क्षेत्रान्तर्गत संचालित दोपहिया पीआरवी 7155 पर तैनात आरक्षी 465 टीपू सुल्तान पीएनओ 163210360 अपनी ड्यूटी समाप्त कर स्वयं की मोटरसाईकिल से अपने निवास स्थान पर लौट रहे थे कि रास्ते में ग्राम कुन्दावली के पास किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्घटना होने के कारण गम्भीर रूप से घायल हो गये, जिन्हे उपचार हेतु सीएचसी रूदायन में भर्ती कराया गया, जहाँ चिकित्सक द्वारा आरक्षी टीपू सुल्तान उपरोक्त को मृत घोषित कर दिया गया। आरक्षी उपरोक्त अपने परिवार के साथ कस्बा इस्लामनगर में रह रहे थे। वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक बदायूँ, डॉ0 बृजेश कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी बिल्सी संजीव कुमार, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षणाधीन गौरव उपाध्याय, प्रतिसार निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण व परिवारजन द्वारा पुलिस लाइन में दिवंगत कांस्टेबल टीपू सुल्तान के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धाजंलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं अधि0/कर्म0गण द्वारा मौन धारण कर सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की गई। दिवंगत आरक्षी को सद्धति व उनके परिजनों/प्रियजनों के संबल हेतु हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

तेघड़ा में टाटा छपरा और मिथिला एक्सप्रेस के ठहराव की स्वीकृति पर प्रसन्नता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार झा

तेघड़ा। रेल विभाग द्वारा तेघड़ा स्टेशन पर टाटा छपरा एक्सप्रेस एवं मिथिला एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति मिलने के बाद स्थानीय लोगों में प्रसन्नता है। उक्त दोनों ट्रेनों का ठहराव पूर्व में तेघड़ा स्टेशन पर था। किन्तु कोरोना काल में दोनों ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया था। तेघड़ा विकास संघर्ष समिति की ओर से दोनों ट्रेनों के तेघड़ा स्टेशन पर ठहराव की मांग को लेकर लगातार आंदोलन चल रहा था। इस संबंध में कई बार रेलमंत्री भारत सरकार सहित डीआरएम,रेल महाप्रबंधक एवं राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा को ज्ञापन दिया गया। इस संबंध में तेघड़ा विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष तारकेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि दोनों ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति मिलने से लोगों के आवागमन में सुविधा होगी।

समिति के संरक्षक पूर्व डीएसपी सुनील कुँवर ने कहा कि इस दोनों ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर तेघड़ा विकास संघर्ष समिति के बैनर तले लगातार आंदोलन चल रहा था। हमारे आंदोलन के आलोक में राज्यसभा सांसद राकेश

सिन्हा द्वारा पहल किया जा रहा था। अब रेल विभाग के द्वारा दोनों ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति दी गई जो सराहनीय है।

श्री कुँवर ने इसके लिये राकेश सिन्हा और भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट किया है। समिति के संयोजक सह अधिवक्ता शशिभूषण भारद्वाज ने कहा कि तेघड़ा स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति मिलना "तेघड़ा विकास संघर्ष समिति" द्वारा किये गये आंदोलन एवं समस्त तेघड़ा वासियों की जीत है। उन्होंने कहा कि तेघड़ा स्टेशन के विकास एवं यहां अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव के लिये संघर्ष जारी रहेगा। सचिव पवन ठाकुर ने ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति मिलने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुये कहा कि विकास की अन्य मांगों को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

कार्यकारी सचिव अशोक ठाकुर ने इस मांग के लिये संघर्ष में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया है। तेघड़ा विकास संघर्ष समिति के आंदोलन की इस जीत पर सरोज कुमार पासवान, महेश प्रसाद सिंह, रामकिंकर सिंह गोरे लाल मिश्र, राजीव रंजन सिंह, डॉ. उग्रनारायण पंडित, रंधीर मिश्रा, सच्चिदानंद पाठक, कामदेव यादव आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

हर घर में लहराए तिरंगा, हर दिल में जगे देशभक्तिः विधायक जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने आमजन से अपील की है कि वे केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान में पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लें। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर भारतीय के अंदर देशभक्ति की भावना को और प्रबल करता है और राष्ट्रीय ध्वज के साथ भावनात्मक जुड़ाव को गहरा करता है।

विधायक ने बताया कि यह अभियान 2 अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त, 2025 तक चलेगा, और इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे गौरव, एकता और स्वतंत्रता का

प्रतिनिधित्व करता है। 'हर घर तिरंगा' अभियान हमें अपने तिरंगे के महत्व को समझने और देश की आजादी का जश्न गर्व से मनाने का अवसर देता है।

अपलोड करें तिरंगे के साथ सेल्फीः विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि सभी नागरिक तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे www.harghartiranga.com वेबसाइट पर अपलोड करें। इससे अभियान को और अधिक व्यापकता मिलेगी और देशवासियों में राष्ट्रीय भावना का संचार होगा। उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं और आमजन से अपील की कि वे अपने घरों, स्कूलों और संस्थानों में तिरंगा गर्व से फहराएं और आजादी के इस पर्व को एक उत्सव के रूप में मनाएं। अंत में उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल तिरंगा लहराने तक सीमित है, बल्कि यह हर नागरिक को देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाने वाला एक सशक्त माध्यम भी है।

संत सीचेवाल ने संसद न चलने पर राज्यसभा के उपसभापति और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री को लिखा पत्र

हंगामों के कारण संसद में बर्बाद हो रहे हैं जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली/चंडीगढ़। राज्यसभा सदस्य और पर्यावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने संसद न चलने को लेकर राज्यसभा के उपसभापति और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि जनता के टैक्स से करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं, लेकिन संसद में कोई सार्थक काम नहीं हो रहा।

संत सीचेवाल द्वारा लिखे गए तीन पन्नों के इस पत्र में दावा किया गया है कि संसद के चालू सत्र के दौरान हर मिनट में ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं। इसी तरह एक दिन का औसतन खर्च लगभग 10 करोड़ रुपये होता है और पिछले 12 दिनों में करीब 120 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जबकि इन 12 दिनों में संसद की कार्यवाही ढंग से नहीं चल पाई है। उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति और केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि जनता के मुद्दों को सदन में उठाना विपक्ष का मुख्य कार्य होता है, लेकिन सदन में ऐसे हालात बना दिए जाते हैं कि विपक्ष को हंगामा करने पर मजबूर होना पड़ता है।(संत सीचेवाल ने कहा कि एक सांसद को शून्य काल, प्रश्न काल और विशेष

उल्लेख के माध्यम से जनता के मुद्दों को उठाने का अवसर मिलता है, लेकिन जब संसद ही न चले तो एक सांसद के ये सारे अधिकार छिन जाते हैं। संसद में हंगामा करके किसी की जीत नहीं होती, बल्कि हार होती है देश के आम नागरिकों की, जिन्होंने यह सोचकर प्रतिनिधि चुनकर संसद में भेजा होता है कि एक दिन उनकी आवाज भी संसद की आवाज बनेगी। उन्होंने कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन हम अब तक देश की जनता को पीने का साफ पानी नहीं दे सके, शुद्ध हवा नहीं दे सके और ना ही शुद्ध भोजन उपलब्ध करा सके, जबकि यह सब मानव जीवन के संवैधानिक अधिकार हैं।

बेरोजगारी के कारण देश की युवा पीढ़ी या तो नशे की दलदल में फंसती जा रही है या विदेशों की ओर पलायन कर रही है। रोजगार की तलाश में विदेश गए भारतीय किस तरह दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, इस पर कभी संसद ने चिंता जाहिर नहीं की।

इसी तरह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भारतीयों को हथकड़ी लगाकर कैदियों की तरह डिपोर्ट किया था। रूस की सेना में शामिल हुए 13 परिवारों के बच्चे अब भी लापता हैं और उनके परिजन आज भी उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं-लेकिन ऐसे मुद्दों पर कभी संसद में चर्चा नहीं हो सकी।

पुत्रदा एकादशी पर श्री खाटू श्याम मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में मंगलवार को पुत्रदा एकादशी का पर्व बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर और बाबा श्याम के दिव्य स्वरूप को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी और लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन किए।

एकादशी के उपलक्ष्य में विशेष भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायकों ने बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। संध्या आरती के समय मंदिर परिसर 'जय श्री श्याम' के जयकारों से गूंज उठा और भक्त भावविभोर होकर आरती में शामिल हुए।

भजन-कीर्तन के बीच पंडित दीपक पांडे ने पुत्रदा एकादशी का महत्व बताते हुए कहा कि सावन के शुक्ल पक्ष में आने वाली इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से दुख-दरिद्र दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि एकादशी पर व्रत और पूजन से संतान की प्राप्ति का भी आशीर्वाद मिलता है।

मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक एकादशी पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है, जिसमें करनाल सहित दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

उन्होंने बताया कि मंदिर कमेटी की ओर से श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं की गईं और प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर देसराज गुप्ता के साथ राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, राम करण, अशोक सिंघला, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला, हरीश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन के दौरान पूरे मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आनंद का माहौल बना रहा।

डीजीपी गौरव यादव ने युद्ध नशों विरुद्ध की समीक्षा करने और कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए राज्य स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता की

डीजीपी पंजाब ने आने वाले आजादी दिवस के जश्नों के लिए राज्य स्तरीय तैयारी का भी लिया जायजा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के मद्देनजर डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने मंगलवार को सभी रेंज आईजीपी/डीआईजी, पुलिस कमिशनर (सीपी) और सीनियर सुपरडैंट आफ पुलिस (एसएसपी) के साथ एक राज्य स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता की जिससे युद्ध नशों विरुद्ध के अधीन चल रहे नशा रोकथाम यत्नों को लागूकरण, समूची कानून व्यवस्था की स्थिति और राज्य भर में अंदरूनी सुरक्षा का जायजा लिया जा सके।

इस दौरान डीजीपी के साथ स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला, स्पैशल डीजीपी (इंटेलिजेंस) प्रवीन कुमार सिन्हा, एडीजीपी एंटी-नारकोटिकस टास्क फोर्स (ए. एन. टी. एफ.) नीलाभ किशोर, एडीजीपी एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए. जी.टी.एफ.) प्रमोद बाण और एडीजीपी (काउन्टर इंटेलिजेंस) अमित प्रसाद भी मौजूद थे।

मीटिंग के दौरान सीनियर अधिकारियों ने फील्ड अधिकारियों को सरहद पार से होती नशा तस्करी, पाकिस्तान-समर्थित आतंकवाद, संगठित अपराध नैटवर्क और कानून व्यवस्था के अहम मसलों के बारे भी जानकारी दी।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि हम 01 मार्च, 2025 को शुरू की राज्यव्यापी नशा विरोधी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध की प्रगति की भी समीक्षा की और नशों के विरुद्ध इस चल रही जंग को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक विचार-विमर्श भी किया। उन्होंने एएनटीएफ की दोहरी पहुँच -जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ क्रार्यान्वयन और मजबूत भाईचारक नेतृत्व के साथ रोकथाम पर जोर दिया जिससे नशा मुक्त और सुरक्षित पंजाब बनाया जा सके।

युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के नतीजे सांझे करते हुये उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने 1 मार्च, 2025 से अब तक 15,671 ऐफआईआरज दर्ज की हैं और 24,639 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया है और उनके कब्जे में से 1020 किलो हेरोइन, 330 किलो अफीम, 21 टन भुक्की, 14 किलो चरस, 377 किलो गाँजा, 6.3 किलो आईसीइ, 3.3 किलो कोकीन, 31.74 लाख नशीली गोलियां/कैपसूल और 12.25 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की है।

मीटिंग के दौरान डीजीपी ने आने वाले आजादी दिवस के जश्नों के लिए राज्य स्तरीय तैयारियों की भी समीक्षा की है और सभी फील्ड यूनिटों को हाई अलर्ट पर रहने और सुरक्षा प्रबंधों को यकीनी बनाने के निर्देश दिए। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई है और आने वाले आजादी दिवस के जश्नों से पहले सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी को यकीनी बना कर शान्ति और सदभावना बनाई रखने, पुलिस डोमीनेशन ऑपरेशनों में तेजी लाने और अधिक रोकथाम और जासूसी उपाय करने के लिए उचित निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सीपी/एसएसपी को सभी पुलिस अदारों का मैनपावर ऑडिट करने और पुलिस कर्मचारियों को नान-कोर ड्यूटियों से हटाने के भी निर्देश दिए जिससे विशेषतः भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी को यकीनी बनाया जा सके। उन्होंने जिला पुलिस मुखियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में पुलिस नाके बढ़ाने और हरेक नाके पर अधिक से अधिक वाहनों की जांच को यकीनी बनाने के निर्देश भी दिए।

डीजीपी ने कहा कि नशों के विरुद्ध चल रही निर्णायक जंग के इलावा संगठित अपराध, गैंगस्टरों और पाकिस्तान-प्रयोजित आतंकवादी गतिविधियों के विरुद्ध कार्यवाही पंजाब पुलिस की सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है और सभी बड़े मामलों में दोषियों की पहचान की गई है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने धान की खरीद सीजन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। राज्य में ई-केवाईसी प्रक्रिया में नियमित रूप से तेजी देखने को मिल रही है और अब तक 1,27,84,000 (1.27 करोड़) लाभार्थियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस संबंध में मानसा, श्री फतेहगढ़ साहिब और पटियाला जिले क्रमवार शीर्ष 3 स्थानों पर हैं। यहां अनाज भवन में हुई समीक्षा बैठक में, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क को विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने ई-केवाईसी प्रक्रिया संबंधी नवीनतम स्थिति से अवगत कराया।

उल्लेखनीय है कि ई-केवाईसी एक डिजिटल विधि है, जो लाभार्थी की पहचान और पते की पुष्टि करती है, जो मुख्य रूप से आधार कार्ड नंबर और प्रमाणीकरण के लिए बायोमैट्रिक्स का उपयोग करती है। पात्र लाभार्थियों को गेहूं सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी डी एस) अधीन 2 श्रेणियों में बांटा गया है। अंत्योदय अन्न योजना (ए ए वाई) अधीन, प्रति परिवार प्रति माह 35

किलो गेहूं दिया जाता है, जबकि प्रायोरिटी हाउसहोल्ड (पी एच एच) श्रेणी अधीन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन एफ एस ए), 2013 अधीन प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो गेहूं मुफ्त दिया जाता है।

धान की आगामी खरीद सीजन 2025-26 की तैयारियों संबंधी तिरपालों की खरीद बारे मंत्री के ध्यान में लाया गया कि पनग्रेन, जो कि तिरपालों की खरीद के लिए नोडल एजेंसी है, ने सभी राज्य खरीद एजेंसियों की ओर से 47500 एलडीपीई पॉलीथीन तिरपालों की खरीद के लिए एक ई-टेंडर जारी किया है। इसके अलावा विभाग के पास पहले से ही पिछले साल की 95000 तिरपालें हैं।

मंत्री ने भारत सरकार द्वारा आवंटित 46 लाख मीट्रिक टन कवर गोदामों के निर्माण की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि वह बोलिकार में 3.75 लाख मीट्रिक टन के कवर गोदामों के निर्माण को पूरा करने के लिए दबाव डाले, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड पहले ही जारी किया जा चुका है और 9.55 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले कवर गोदामों को उपलब्ध कराने संबंधी प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने विभाग को यह भी हिदायत दी कि बाकी बचे 32.70 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले कवर गोदामों की टेंडरिंग प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए ताकि आगामी धान खरीद सीजन 2025-26 दौरान चावल के भंडारण के लिए अधिक से अधिक जगह उपलब्ध करवाई जा सके।

इस मौके पर अन्य के अलावा खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले के प्रमुख सचिव राहुल तिवाड़ी, निदेशक वरिंदर कुमार शर्मा, अतिरिक्त सचिव पनग्रेन कमल कुमार गर्ग और अतिरिक्त निदेशक डॉ. अंजुमन भास्कर के साथ जी एम (वित्त) सर्वेश कुमार शर्मा भी मौजूद थे।

धामी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के दृष्टिगत वे अपनी पूरी टीम के साथ लगातार ग्राउंड जीरो पर रहें

संजना भारती संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के दृष्टिगत वे अपनी पूरी टीम के साथ लगातार ग्राउंड जीरो पर रहें। अतिवृष्टि के कारण सड़कों के बाधित होने की स्थिति में उन्हें शीघ्र सुचारु किया जाए। पेयजल और विद्युत की लाइनें क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में यथाशीघ्र व्यवस्थाएं सुचारु की जाएं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण संपर्क मार्ग बाधित होने की स्थिति में लोगों के आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्व से की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा के कारण फसलों को हुई क्षति का शीघ्र आकलन किया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए हैं, तथा ऐसे कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, जनपदों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी नियमित रूप से की जाए। 'ऑपरेशन कालनेमी' के अंतर्गत भी आस्था की आड़ में जनता को गुमराह करने वालों पर नियमित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनेअपने जनपदों के शासकीय अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। इसमें दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, उपकरणों की स्थिति और स्वच्छता व्यवस्था जैसे विषय सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी समयसमय पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के बाद अवस्थापना विकास से संबंधित कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। सड़कों, पुलों, नालियों एवं अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर

विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही आमजन को भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियानों का संचालन किया जाए। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में नियमित प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग और निर्वाचन प्रक्रिया में लगे समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को भी इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि सभी की कर्तव्यनिष्ठा एवं सहयोग से पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुए हैं। बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक श्री ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव श्री बंशीधर तिवारी, वर्चुअल माध्यम से सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, आयुक्त कुमाऊँ श्री दीपक रावत एवं सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: 9871221635

नपा राजौंद द्वारा वार्ड नं. 6 में नागरिकों को सूखा व गीला कचरा अलग करके डोर टू डोर के वाहन में डालने के लिए किया प्रेरित

■ राधा स्वामी कॉलोनी, वार्ड छः को बनाया जाएगा 'आदर्श कालोनी': नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। नपा राजौंद ने नगर के असंध मार्ग पर स्थित राधा स्वामी कॉलोनी, वार्ड 6 में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। नपा राजौंद द्वारा राधा स्वामी कॉलोनी में निशुल्क डस्टबीन वितरित किए गए। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि उपमंडल अधिकारी (ना.), कैथल एवं जिला नगर आयुक्त के दिशा-निर्देशों के तहत नगर पालिका राजौंद द्वारा वार्ड नंबर 6 स्थित राधा स्वामी कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। सचिव की अगुवाई में नपा टीम ने नागरिकों को सूखा कचरा व गीला कचरा अलग-अलग इकट्ठा कर डोर टू डोर वाहन के अलग-अलग खानो में डालने के लिए प्रेरित किया। जिससे अपशिष्ट प्रबंधन और बेहतर हो सके।

नपा राजौंद द्वारा नागरिकों को प्रेरित किया गया कि नगर में पशुओं को खुले ना छोड़ने, बेसहारा न छोड़ने। उन्होंने कहा कि कॉलोनी क्षेत्र में आवारा पशुओं की एंट्री रोकने के लिए नपा द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता रहेगा, ताकि स्वच्छता को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

वार्ड पार्षद विजेंद्र राणा ने कहा कि बहुत जल्द राधा स्वामी कॉलोनी की गलियों में लाइटे लगाई जाएगी। लाइट लगने से कॉलोनी की हर गली में प्रकाश होगा। नागरिकों को अन्धकार से मुक्ति मिलेगी। सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार ने नागरिकों से आह्वान किया कि साफ सफाई रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

इस मौके पर नगर पालिका कार्यालय से सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, वार्ड नंबर 6 पार्षद विजेंद्र राणा, सफाई मोटीवेटर कुसुम, सफाई मोटीवेटर कुलविंदर कौर सहित अन्य मौजूद थे।

कलायत में तीन एकड़ में पनप रही अवैध कालोनी पर चला डीटीपी का पीला पंजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कैथल। जिला नगर योजनाकार प्रवीण कुमार ने बताया कि कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से राजस्व संपदा कलायत में पनप रही एक अवैध कालोनी में बनी सड़कों, सिवरेज, एक दुकान, चार डीपीसी को शुरूआती चरण ही तोड़ा गया। अवैध कालोनी में कार्यवाही एचडीआर एक्ट 1975 के प्रावधान अनुसार की गई। इस कार्रवाई के दौरान बिजली विभाग के एसडीओ अंकित कुमार बतौर डयूटी मैजिस्ट्रेट तैनात रहे।

जिला नगर योजनाकार प्रवीण कुमार ने बताया कि कार्यालय के संज्ञान में राजस्व संपदा कलायत में लघु सचिवालय के पास करीब तीन एकड़ में अवैध कालोनी विकसित करने का मामला संज्ञान में आया था, जिसके उपरांत कार्यालय द्वारा भू स्वामियों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके अवैध कालोनी को रोकने के आदेश दिए गए थे। परंतु भू-स्वामियों द्वारा ना तो मौके पर बनाई जा रही अवैध कालोनी के निर्माण कार्य को रोका गया और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति के लिए आवेदन किया। जिसके बाद डीटीपी का अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा और कालोनी में सड़कों, सिवरेज, एक दुकान, चार डीपीसी को शुरूआती चरण ही तोड़ा गया। इसके साथ ही पुलिस को संबंधित भू-मालिकों एवं डीलरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए शिकायत दी गई है।

जिला नगर योजनाकार द्वारा आम लोगों से अपील की है कि वे किसी कालोनी में प्लाट लेने से पहले उसकी वैधता जरूर चैक कर लें। उन्होंने बताया कि शहर में अवैध निमार्णों व अवैध कालोनियों को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिले में 4 लाख छह हजार बच्चों और किशोरों को खिलाई जाएंगी एल्बेंडाजोल की गोलियां

■ 26 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कैथल। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि आगामी 26 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। सभी संबंधित विभाग स्वास्थ्य विभाग से तालमेल करके इसे सफल बनाएं। इस दिन जिला के एक वर्ष से 19 वर्ष के 4 लाख छह हजार 336 बच्चों एवं किशोरों को एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। सुनिश्चित किया जाए कि जिला का एक भी बच्चा एलबेंडाजोल की गोली खाने वंचित न रहे।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के आयोजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ अन्य विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला के राजकीय व निजी स्कूलों में पढ़ रहे करीब दो लाख 13 हजार 218 बच्चों और आंगनवाड़ी में आने वाले करीब 89 हजार 606 बच्चों, करीब एक लाख दो हजार 544 आउट आफ स्कूल बच्चे तथा इसके साथ ही 19 से 24 वर्ष की 29 हजार 663 महिलाओं को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। जो बच्चे 26 अगस्त को किसी कारणवश गोली लेने से छूट जाते हैं, उनको दो सितंबर को यह गोली हर हाल में खिलाई जाए।

एडीसी ने शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर बच्चों को समयबद्ध गोलियां खिलाएं। इसके साथ ही एनसीसी तथा एनएसएस के बच्चों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। रोजगार विभाग उद्योगों एवं लेबर साइटस पर रह रहे बच्चों की संख्या साझा करने के साथ साथ उन्हें गोली खिलाने में सहयोग करें। इसके साथ ही खंड वाईज टीमें बनाएं और आंगनवाड़ी वर्कर, आशा वर्कर, अध्यापकगण आदि इसमें अपना पूरा योगदान दें।

सीएमओ डॉ. रेणू चावला ने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य है बच्चों में बढ़ रही कृमि संक्रमण को रोकना और इससे बचाव के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि बच्चों में पेट के कीड़ों से खून की कमी से अनिमिया हो जाता है। कुपोषण की समस्या होती और बच्चे का शरीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित हो जाता है। इन कीड़ों की रोकथाम के लिए एलबेंडाजोल की गोलिया खिलाई जाती हैं।

इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी डा. विजय लक्ष्मी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी शशिबाला, डॉ. विकास धवन, डॉ. संदीप जैर, डॉ. राजीव मित्तल एवं अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीसी उत्तम सिंह बने हरियाणा ओलंपिक संघ के कार्यकारी सदस्य, खेल विकास को मिलेगा नया आयाम

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह को हरियाणा ओलंपिक संघ में कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर संघ के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उत्तम सिंह जैसे सक्षम, दूरदर्शी और समर्पित अधिकारी का संघ से जुड़ना गर्व की बात है।

कैप्टन बेनीवाल ने कहा कि डीसी उत्तम सिंह का गतिशील नेतृत्व और प्रशासनिक अनुभव निश्चित रूप से संघ के कार्यों को गति देगा और हरियाणा में खेलों के विकास में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में संघ खेल अवसंरचना को और मजबूत करेगा तथा स्थानीय प्रतिभाओं को तराशने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तम सिंह की सक्रिय भागीदारी से राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरणा मिलेगी। उनका नेतृत्व खेलों के संसाधनों को सही दिशा में लगाने और नीति निर्माण में सुधार की दिशा में सहायक सिद्ध होगा।

डीसी उत्तम सिंह की नियुक्ति को खेल प्रेमियों और स्थानीय प्रशासन द्वारा भी एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि हरियाणा ओलंपिक संघ की गतिविधियों में और अधिक गंभीरता व पारदर्शिता आएगी।

आदिकालीन नाथ साहित्य निर्गुण भक्ति का आधार : भारत भूषण वर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग
असंध। जीवन एक बहता दरिया मंच और हिंदी सेवा समूह हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी साहित्य में नाथ परंपरा :एक चिंतन' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन वरिष्ठ साहित्यकार एवं संस्कृत प्राध्यापक भारत भूषण वर्मा ने किया। हिंदी सेवा समूह के संयोजक डॉ. अशोक गिरि ने सह-संयोजक की भूमिका निभाई। परिचर्चा के दौरान भारत भूषण वर्मा ने बताया कि आदिकालीन साहित्य परंपरा में नाथ साहित्य का महत्वपूर्ण स्थान है। हठयोग पर आधारित शैव मतावलंबी नाथ साहित्य योग साधना, गुरु महिमा, कुंडलिनी जागरण और शून्य समाधि के स्वरूप को साहित्य के माध्यम से उद्घाटित करता है। यह एक ऐसा साहित्य है जो परवर्ती भक्तिकालीन निर्गुण साधना प्रधान कवियों के लिए आदर्श साबित हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में वाराणसी से डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने नाथ साहित्य के प्रासंगिकता को सिद्ध करते हुए इस पर हुए शोधपरक साहित्य पर भी प्रकाश डाला। हरिद्वार से मीरा भारद्वाज ने जहां इसकी सामान्यगत विशेषताओं पर विचार रखे वही प्रेरणा पांडेय ने हठयोग के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया। इसी कड़ी में देहरादून से अंजलि सरित झा और सुमनलता उनियाल ने भी नाथ साहित्य पर सूक्ष्म विवेचन किया। पूर्व शिक्षा निदेशक डॉ. पुष्पा रानी वर्मा ने भी इसके सर्वांगीण तत्वों को स्पष्ट किया।

डॉ अशोक गिरि ने हिंदी साहित्य की सभी कालावधियों को सूक्ष्मता से समझने की सलाह देते हुए रुचिपूर्वक शोधात्मक कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विचारकों का धन्यवाद किया।

खंड राजौंद के गांव रोहेड़ा के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता का हुआ आरंभ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। खंड राजौंद के गांव रोहेड़ा के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। मंगलवार की प्रतियोगिता में अंडर 14 आयु वर्ग, अंडर 17 युवा वर्ग, अंडर 19 आयु वर्ग लड़के एवं लड़कियों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें खंड राजौंद के सभी स्कूलों के 500 के लगभग खिलाड़ियों ने भाग लिया।

शॉट पुट अंडर 17 आयु वर्ग लड़कियों में हनप्रीत एमडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद की लड़की ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह लड़की पहले भी अंडर 14 आयु वर्ग में शॉट पुट में राष्ट्रीय स्कूल खेलों में सिल्वर मेडल प्राप्त कर चुकी है। इन खेलों के नोडल अधिकारी सोहन पाल ने बताया आज के खेलों का उद्घाटन बलविंदर सिंह-प्रिंसिपल गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहेड़ा व वीरेंद्र देओल प्रिंसिपल गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहेड़ा ने किया।

इस अवसर पर खंड राजौद के सभी स्कूलों के पीटीआई एवं डीपी तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ग्राम विकास के मामले में बीता एक दशक बेहतरीन रहा: डॉ. चौहान

■ 'आगे की उड़ान और ऊँची होगी'

संजना भारती संवाददाता
असन्ध। हरियाणा के ग्रामीण अंचल में बीते 11 वर्षों में स्वच्छता, पेयजल व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के अलावा ढांचागत तंत्र के विकास में अभूतपूर्व काम हुए हैं। इस अवधि में गांवों में बनकर तैयार हुए ग्राम सचिवालय, योगशालाएँ, पुस्तकालय भवन, अमृत सरोवर, खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन और बेहतरीन गली, नाली और सड़क इस बात के जीवन्त प्रमाण है कि सरकार ने नई सोच और संकल्प के साथ राजकाज की नई कार्य संस्कृति स्थापित करने में सफलता हासिल की है। स्थानीय लोक निर्माण विश्रामगृह में डॉ. चौहान की अगवानी करने पहुँचे शहर और ग्रामीण अंचल के प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने यह टिप्पणी की।

इसके बाद शहर के एक रेस्तरां में आयोजित कार्यक्रम में युवा शक्ति से रूबरू हुए डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान की भूमिका और कार्यप्रणाली के विषय में चर्चा की। करनाल रोड़ स्थित रेस्तराँ में पहुंचने पर डॉ चौहान का योगेश ठुकराल के संयोजन में समाजसेवी पुरषोत्तम ठुकराल, बादल छाबड़ा, नीतिन जुनेजा, गौरव रल्हन एडवोकेट, ट्विंकल ठुकराल व अंकित परुथी आदि ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश का यह शिखर शिक्षण संस्थान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज से जुड़े विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रशिक्षण और कौशल विकास के साथ निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की कार्यक्षमता में सुधार के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है। इसी क्रम में उन्होंने शिष्टाचार भेंट के लिए पहुँचे असंध खंड की सरपंच एसोसिएशन के प्रधान से ग्राम पंचायतों की सम सामायिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ग्राम पंचायतों के समक्ष उत्पन्न होने वाली सभी चुनौतियों और समस्याओं का समाधान करने में संस्थान हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार के मार्गदर्शन में हरसंभव कार्य करेगा। कुश्ती कोच सोमवीर सिंह कुश्ती खिलाड़ियों की एक टीम के साथ नवनियुक्त निदेशक का स्वागत करने पहुँचे। उन्होंने कुश्ती खिलाड़ियों की समस्याओं से डॉ. चौहान को अवगत कराया। जींद के सिंघाना से पहुंचे पंडित सुनील शास्त्री, महावीर शर्मा, प्रमोद राणा और योगेन्द्र सिंह ने भी गांव की और से पगड़ी भेंट कर डॉ. चौहान का अभिनंदन किया।

लोक निर्माण विश्रामगृह में पतंजलि योग समिति के प्रभारी एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह, डॉ. संदीप राणा, पूर्व सैनिक चौ. रामदिया मोर, भाजपा नेता राजेश पाढ़ा, अंकुश राणा, अभय प्रताप सिंह, पन्ना लाल प्रजापति, पंकज आर्य आदि शामिल थे।

विवेकानंद विद्या निकेतन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

संजना भारती संवाददाता
असन्ध। कैथल रोड स्थित विवेकानंद विद्या निकेतन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान छात्रों को पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डीएसपी असंध गोरखपाल राणा ने शिरकत की। स्कूल के प्रधानाचार्य रुप कृष्ण भट्ट ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डीएसपी गोरखपाल राणा ने कहा कि पेड़ पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। डीएसपी ने छात्रों को समझाया कि बिना लाइसेंस के बाइक न चलाएं और नशे से दूर रहे। विद्यालय के प्रबंधक मोहिंदर श्योकंद ने विद्यार्थियों को पौधारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है। हमें ऑक्सीजन, फल, छाया एवं जीवनदायिनी हवा वृक्षों से ही प्राप्त होती है। प्रधानाचार्य रूप कृष्ण भट्ट ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर इस अभियान की शुरूआत की थी। जिसका उद्देश्य देशभर में पौधारोपण को बढ़ावा देना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना है।

आदर्श ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर जताया विरोध

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग
असन्ध। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन ने स्टेट कार्यकारिणी के आहवान पर यूनिट स्तर आदर्श ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में गेट मीटिंग कर विरोध जताया। जिसकी अध्यक्षता यूनिट प्रधान नरेंद्र पहल और मंच का संचालन यूनिट सचिव रामबीर शर्मा ने किया। कार्यक्रम में असंध यूनिट प्रभारी व स्टेट कार्यकारिणी सदस्य महेन्द्र पाल ने शिरकत की। सब यूनिट-2 के सचिव कृष्ण पाई ने ऑनलाइन तबादला नीति का विरोध करते सरकार व मैनेजमेंट को चेताया यदि इसे वापस नहीं लिया तो यूनियन बड़ा आन्दोलन करने पर मजबूर होगी। स्टेट कार्यकारिणी सदस्य महेन्द्र पाल ने कहा कि इस तरह के कर्मचारी विरोधी फैसले युनियन स्वीकार करने को तैयार नहीं है। यूनिट सचिव रामबीर शर्मा ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार व मैनेजमेंट जो इस तरह के फतवे जारी कर रही है जिसको यूनियन किसी भी सुरत में सहन नहीं करेगी। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर बिजली मंत्री के नाम कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। यूनिट प्रधान नरेंद्र पहल ने कार्यक्रम में पहुंचे यूनियन के पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सब यूनिट-1 के प्रधान अजमेर जागलान, संजय वर्मा, सतीश, नरेन्द्र विनोद, सोनू, कृष्ण, रामबीर मोर, दीपक जांगड़ा, बजिन्द्र, रविन्द्र, शिव चरण आदि मौजूद रहे।

आयुष्मान भारत: राज्य सरकार ने बजट किया जारी, अस्पतालों को भुगतान शुरू

एसबी संवाददाता
कैथल। हरियाणा की राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा है कि राज्य सरकार से 4 अगस्त, 2025 को बजट प्राप्त हो गया है और तदनुसार, पैनलबद्ध अस्पतालों को 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत बकाया पैसे का भुगतान शुरू कर दिया गया है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) द्वारा 28 जुलाई, 2025 को एक पत्र जारी किया गया था जिसमें "आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना" के बकाया भुगतानों का हवाला देते हुए 7 अगस्त, 2025 से इस योजना के तहत सेवाओं को रोकने की बात कही गई थी। इस संदर्भ में, एसएचए ने कहा है कि राज्य सरकार की तरफ से कल 4 अगस्त को बजट प्राप्त हो गया है और उसी के अनुसार अब पैनलबद्ध अस्पतालों को 'पहले आओ, पहले पाओ' (एफआईएफओ) के आधार पर भुगतान करना शुरू कर दिया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने मई 2025 के पहले सप्ताह तक पैनलबद्ध अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों का निपटान और भुगतान कर दिया है। योजना की शुरूआत से अब तक अस्पतालों को कुल 2,900 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, 16 जुलाई 2025 तक राज्य और केंद्र सरकारों से 240.63 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है और पात्र दावों के निपटान के लिए इसका पूर्ण उपयोग किया जा चुका है।

पैनलबद्ध अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों का निपटान एनएचए के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से 50 डॉक्टरों की एक टीम द्वारा किया जाता है। सभी कटौतियाँ एनएचए के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती से की जाती हैं और कटौती केवल तभी की जाती है जब पर्याप्त नैदानिक औचित्य या दस्तावेजीकरण का अभाव हो। किसी भी अस्वीकृति या कटौती से पहले, अस्पतालों को आवश्यक सहायक दस्तावेज जैसे कि वाइटल चार्ट, नैदानिक चित्र, ओटी नोट्स और परीक्षण रिपोर्ट अपलोड करने का अवसर दिया जाता है।